तारिख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर ... जो इस ... में ज...
	प्रस्तुत नहीं किया है। और न ही वकील वादी द्वारा भी पहचान नहीं कि गई है। यदि वादी द्वारा प्रकरण को नही चलाना चाहते है। तो वकील वादी के हस्ताक्षर भी आवश्यक होते है। जो प्रार्थना पत्र पर नहीं है। ऐसी स्थिति मे प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य नही पाया जाता है। अतः प्रकरण मे प्रस्तुत प्रार्थना पत्र प्रकरण को आगे नहीं चलाने का खारिज किया जाता है। पत्रावली वास्ते साक्ष्य वादी मे दिनांक 23-11-23 को पेश हो।	
23.11.23	पत्रावली पेश हुई S.D.O. सा. चुनाव कार्य में मस्त है अब पत्रावली पुर्वानुसार दिनांक 23.1.24 को पेश हो।	
23-1-24	पत्रावली पेश हुई SDO सा. नगरीय कैम्प मे पधारे है। वकील वादी उप. अब पत्रावली पुर्वानुसार दिनांक 8-2-24 को पेश हो।	
8-2-24	पत्रावली पेश हुई SDO सा. अन्य कार्य मे व्यस्त है। वकील वादी उप. अब पत्रावली पुर्वानुसार दिनांक 11-3-24 को पेश हो।	
9-3-24	पत्रावली आज [illegible] लोक अदालत मे रखी गई प्रकरण [illegible] मध्य लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर आपसी सहमति से राजीनामा होने से वकील वादी द्वारा प्रकरण को नोट प्रेस किया गया है। प्रकरण नोट प्रेस किया जाने से फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Manasvi Naresh
Date: 2024.04.03 15:43:27 IST
Reason: SelfAttested